***हिन्दी-विभाग***

14 सितंबर 2020 को हिन्दी-विभाग की प्रभारी डॉ० विजयलता त्यागी जी के नेतृत्व एवम् मार्गदर्शन में 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में हिन्दी-विभाग ने 'हिन्दी विकासोत्सव' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, बोलिए जनाब : एक मिनट, साहित्यिक कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता एवं विज्ञापन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताऍं ऑनलाईन आयोजित की गईं। सभी विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़- चढ़कर भाग लिया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को प्रशस्ति -पत्र भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० एस० के० सिन्हा जी का भी विशेष योगदान रहा। उन्हीं की अनुमति से ये कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्त्व एवं विभिन्न पक्षों से परिचित कराते हुए लाभांवित किया। इसके साथ ही हिन्दी-विभाग के प्राध्यापको एवं विद्यार्थियों ने भी हिन्दी भाषा से संबंधितअपने विचारों को साझा किया। हिंदी साहित्य परिषद् के सदस्यों एवं प्राध्यापकों ने भी इस कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया।

18 जनवरी एवं 23 जनवरी 2021 को हिन्दी साहित्य परिषद् 'अनुकृति' के सदस्यों के चयन के लिए गूगल मीट के द्वारा साक्षात्कार किया गया। जिसमें परिषद् के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह - सचिव एवं कार्यकारिणी परिषद् के अन्य सदस्यों का चयन किया गया ।

1 मार्च 2021 को कवि संदीप द्विवेदी जी के एक प्रेरणादायी वक्तव्य का आयोजन किया गया।, जिसका शीर्षक उनकी प्रसिद्ध कविता 'बोलो कहाॅं तक टिक सकोगे, यदि राम सा संघर्ष हो?' के आधार पर रखा गया था। इस वक्तव्य के साथ ही पाँच चयनित विद्यार्थियों द्वारा कविता वाचन भी करवाया गया। कार्यक्रम बहुत मनोरंजक एवम् ज्ञानवर्धक रहा। कवि संदीप द्विवेदी ने विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष से न डरने की प्रेरणा दी। विद्यार्थी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने अपनी कविताओं से युवाओं में ऊर्जा का नव संचार किया। निराशा और हताशा मनुष्य पर हावी न हो इसलिए उन्होंने विद्यार्थियों से कला और काव्य से जुड़े रहने का सुझाव दिया।

8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, "आज की महिला द्वंद्व में कितनी और क्यों?" विषय पर एक वक्तव्य का आयोजन किया गया जिसकी वक्ता प्रसिद्ध साहित्यकार एवम् लेखिका डॉ० संतोष गोयल जी थी। उन्होंने वर्तमान समय में महिलाओं की द्वंद्वात्मक स्थिति पर गहराई से प्रकाश डाला।

समय- समय पर हिन्दी साहित्य परिषद् के सदस्यों एवं प्राध्यापकों के बीच विभिन्न आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों पर गूगल मीट के माध्यम से वार्ताएंँ होती रही जिससे हिन्दी- विभाग का कार्य सुचारू रूप से संपन्न होता रहा।

कोरोना जैसी भयंकर महामारी के चलते विभाग ज्यादा कार्यक्रम आयोजित नहीं कर पाया। हम हृदय से यही कामना करते हैं कि संसार को जल्द-से-जल्द इस महामारी से छुटकारा मिले एवम् सब स्वस्थ रहें।